संपादकीय

ब्याज दरों में कटौती

भारतीय स्टेट बैंक ने बचत खातों पर दी जाने वाली ब्याज दर कम कर दी है। पहले बैंक में बचत खाता रखने वालों को चार फीसदी की दर पर सालाना ब्याज दिया जाता था, अब एक करोड़ रुपये से कम की रकम वाले बचत खातों पर साढ़े तीन फीसदी की दर से ब्याज दिया जाएगा। एक करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम वाले बचत खातों पर ब्याज दर पहले जितनी ही मिलती रहेगी, लेकिन बैंक में इतनी बड़ी रकम वाले बचत खाते दस फीसदी भी नहीं हैं, जिससे यह समझा जा सकता है कि इस फैसले का असर कितना व्यापक होगा। बैंक ने खुदरा कर्ज और होम लोन जैसे कर्जों पर ब्याज की दर जनवरी में ही कम कर दी थी और इस लिहाज से यह माना जा रहा था कि बचत खातों की ब्याज दर भी देर-सवेर नीचे आएगी ही। इस बाबत बैंक ने जो बयान जारी किया है, उसमें उसका मुख्य तर्क भी यही है। स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा बैंक है और तकरीबन 42 करोड़ लोगों ने इसमें तरह-तरह के खाते खोल रखे हैं। लेकिन बैंक के इस फैसले का असर इससे भी ज्यादा व्यापक होने की उम्मीद है। आम तौर पर सार्वजनिक क्षेत्र के ही नहीं, निजी क्षेत्र के बैंक भी स्टेट बैंक की राह पर ही चलते हैं, इसलिए उम्मीद यही है कि बाकी बैंक भी जल्द ही बचत खातों पर ब्याज दरें कम करने की राह पर बढ़ेंगे। कुछ तो खैर पहले ही इसे कम कर चुके हैं। इससे बैंकिंग क्षेत्र की स्थिति मजबूती की ओर बढ़ेगी। कम से कम शेयर बाजार के रुख को देखकर तो यही लगता है। सोमवार को स्टेट बैंक का यह फैसला आते ही सभी बैंकों के शेयर तेजी से ऊपर जाने लगे। स्टेट बैंक के शेयर में यह उछाल पहले दो घंटे में ही तीन फीसदी से ज्यादा था। बैंकों की वित्तीय मजबूती से अलग करके देखें, तो यह फैसला देश के मध्य वर्ग और निम्न मध्य वर्ग को परेशाान करने वाला है। आम तौर पर इन वर्गों के लोग अपनी मेहनत की कमाई बचत खातों के हवाले कर देते हैं। इससे एक तरफ तो उनका धन सुरक्षित रहता है, साथ ही दूसरी तरफ उस पर जो ब्याज मिलता है, उससे वह मुद्रास्फीति यानी महंगाई की मार से काफी हद तक बच जाता है। वैसे बैंक अभी भी यह तर्क दे सकते हैं कि साढ़े तीन फीसदी की दर से जो ब्याज दिया जा रहा है, वह मुद्रास्फीति की तात्कालिक दर से ज्यादा है, इसलिए लोगों के जमा धन को महंगाई से सुरक्षा मिल रही है, लेकिन सच यही है कि ज्यादातर लोगों को ब्याज के रूप में मिलने वाली रकम अब कम हो जाएगी। मुमकिन है कि देर-सवेर इसका नुकसान बचत खातों की व्यवस्था को ही हो। बचत को रखने के जितने भी तरीके उपलब्ध हैं, उनमें सबसे कम आमदनी बचत खातों से ही होती है। लोग उन्हें सिर्फ इसलिए पसंद करते हैं कि बचत खातों को खोलना, उनमें रकम जमा करना, जरूरत पड़ने पर उसे निकालना सब काफी आसान होता है। इसके अलावा इसमें जोखिम भी ज्यादा नहीं होता। अब जब इन पर ब्याज दर कम हो रही है, तो मुमकिन है कि लोग बचत खातों का सहारा लेने की बजाय निवेश के दूसरे तरीकों को अपनाने की ओर बढ़ें। सिर्फ ब्याज दर ही कम नहीं हुई, पिछले कुछ समय में बैंकों ने धन निकासी जैसी चीजों पर कई तरह के शुल्क भी लगाए हैं, देश के बैंकिंग क्षेत्र का एक सच यह है कि आज के दौर में सार्वजनिक बैंकों से भी यह उम्मीद की जाती है कि वे अपने पांवों पर खड़े हों और भारी स्पर्द्धा वाले बाजार में आगे बढ़ते रहें। दूसरा सच यह है कि डूब गए कर्ज ने इन बैंकों की कमर तोड़ दी है। सरकार की जन धन योजना ने भी बैंकों के काम को बढ़ाया है, लेकिन इस दौर में यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि इसका सारा भार मध्य वर्ग के लोगों पर ही न पड़े।

राज्यसभा चुनाव में होगा नोटा का इस्तेमाल, टाइमिंग पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली

राज्यसभा चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा नोटा के ऑप्शन को शामिल करने को लेकर उच्च सदन में कांग्रेस पार्टी ने हंगामा कर दिया है। उन्होंने इस पर कई सवाल खड़े कर दिए। प्रश्नकाल में कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने इस मसले को उठाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी को इसके बारे में पता ही नहीं था और चुनाव आयोग ने नोटिफिकेशन के दौरान ऐसी कोई जिक्र नहीं किया। इसके चलते सदन की कार्रवाई दो बार स्थगित करना पड़ी।

इस पर जवाब देते हुए राज्यसभा के नेता अरुण जेटली ने इस मसले को यह कहकर खारिज कर दिया कि यह तो चुनाव आयोग का विशेष अधिकार है। जाहिर है राज्यसभा चुनाव में गुजरात को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। राज्यसभा की तीसरी सीट से कांग्रेस सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार अहमद पटेल की राज्यसभा में वापसी की पुरजोर कोशिश कर रही है, वहीं भाजपा इस सीट पर सेंधमारी में जुटी है।

नोटा के ऑप्शन पर कांग्रेस पार्टी को सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। इस पर अहमद पटेल ने ट्वीट करते हुए कहा कि पहले तो राज्यसभा के चुनाव की तारीख आगे बढ़ा दी गई और उसके बाद नोटिफिकेशन के बाद नोटा लाने की वजह क्या है, यह चुनाव आयोग को ही मालूम है।

चुनाव आयोग का फैसला कानून की किताब में खरा नहीं

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी चुनाव आयोग की टाइमिंग पर सवाल खड़े किए. उनका मानना है कि यह फैसला कानून की किताब में खरा नहीं बैठता।

ये नोटा हो रहा है कि पोटा हो रहा है। उन्होंने कहा कि जो फैसला चुनाव आयोग ने लिया है मुझे लगता है कहीं ना कहीं मसला गुजरात का है।

चुनाव आयोग ने क्यों ऐसा फैसला लिया है? अगर आप कानून की किताब को देखो या कोई रूल देखो कोई ऐसी प्रक्रिया रूल में नहीं है व ना ही रिप्रजेंटेशन ऑफ पीपल एक्ट में है। उन्होंने कहा कि यह तो खुली वोटिंग है। इनडायरेक्ट वोटिंग है, इसमें कोई डायरेक्ट वोटिंग नहीं है इसमें तो आप अपनी प्रेफरेंस देंगे। तो यह फैसला कहां से आ गया? साथ ही उन्होंने कहा कि मैं कोई आरोप नहीं लगाना चाहता। अगर चुनाव आयोग ने फैसला लिया तो ज़रूर सोच-समझ कर लिया है, लेकिन इसकी टाइमिंग जो है वह ठीक नहीं है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पीयूसीएल के इलेक्शन में कहा था कि डायरेक्ट वोटिंग में आपको नोटा देना चाहिए। यह तो इलेक्शन कमीशन का अपना फैसला है। इसे चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के जरिए नहीं लिया।

दैनिक पंचांग

02 अगस्त 2017 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	6.39 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कन्या	8.51 बजे से
मंगल	कर्क में	तुला	11.01 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.16 ब.से
गुरु	कन्या में	धनु	15.32 बजे से
शुक्र	मिथुन में	मकर	17.37 बजे से
शनि	वृश्चिक में	कुंभ	19.24 बजे से
राहु	सिंह में	मीन	20.57 बजे से
केतु	कुंभ में	मेष	22.27 बजे से
		वृष	00.07 बजे से
		मिथुन	02.05 बजे से
		कर्क	4.19 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2017 वर्ष का 213 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2074
शक संवत् 1939
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 14.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 15.16 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 16.09 बजे को समाप्त।
करण गर 14.14 बजे तदनन्तर वणिज 03.26 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 9.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 17° 46'
सूर्य उत्तरायण
कलि अहर्गण 1869502
जूलियन दिन 2457967.5
कलियुग संवत् 5119
कल्पारंभ संवत् 1972949117
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885117
वीरनिर्वाण संवत् 2543
हिजरी सन् 1438
महीना जिल्काद
तारीख 09

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06.01 से 07.30 बजे तक	उद्वेग	06.01 से 07.30 बजे तक
अमृत	07.31 से 09.00 बजे तक	शुभ	07.31 से 09.00 बजे तक
काल	09.01 से 10.30 बजे तक	अमृत	09.01 से 10.30 बजे तक
शुभ	10.31 से 12.00 बजे तक	चर	10.31 से 12.00 बजे तक
रोग	12.01 से 01.30 बजे तक	रोग	12.01 से 01.30 बजे तक
उद्वेग	01.31 से 03.00 बजे तक	काल	01.31 से 03.00 बजे तक
चर	03.01 से 04.30 बजे तक	लाभ	03.01 से 04.30 बजे तक
लाभ	04.31 से 06.00 बजे तक	उद्वेग	04.31 से 06.00 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ मंगल सैणचा, बेंगलोर

आपका राशिफल 02 अगस्त

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगे। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो या यी यू

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने को सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ गू गे गो गा सी सू से सो ढा

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

मणिपुर में फर्जी मुठभेड़ मौतों की जांच करेगी सीबीआइ

नई दिल्ली

मणिपुर में फर्जी मुठभेड़ में हुई मौतों की जांच सीबीआइ पांच सदस्यीय टीम करेगी। जांच एजेंसी ने पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पांच अधिकारियों की विशेष टीम गठित की है। सुप्रीम कोर्ट ने 14 जुलाई को एजेंसी को जांच करने का आदेश दिया था।

शीर्ष अदालत के निर्देश पर गठित सीबीआइ की जांच टीम रिकार्डो की जांच करेगी और आवश्यकता पड़ने पर एफआइआर दर्ज करेगी। शीर्ष अदालत ने सीबीआइ को 31 दिसंबर तक फर्जी मुठभेड़ मामलों की जांच पूरी करने का आदेश दिया है।

राज्यसभा में सांसदों की गैरहाजिरी से पीएम नाराज, अमित शाह ने फटकारा

नई दिल्ली

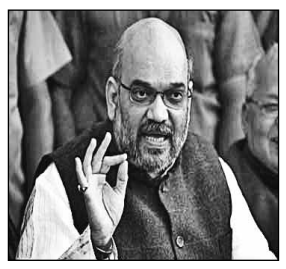

भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख अमित शाह ने राज्यसभा में पार्टी सांसदों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया और सदस्यों से कहा है कि ऐसा भविष्य में दोहराया न जाए, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोनों सदनों से भाजपा सदस्यों की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जाहिर की है।

भारतीय जनता पार्टी ने अपनी बैठक के बाद आगामी कार्यक्रमों की घोषणा की। संसदीय कार्यमंत्री अनंत कुमार ने बैठक के बाद कहा कि अमित शाह ने राज्यसभा में सांसदों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर की। शाह ने कहा कि सभी सांसदों को सदन में मौजूद रहना चाहिए था। सभी सांसदों को तीन लाइन की व्हिप का पालन करना चाहिए। सदन शुरू होने से समाप्त होने तक सदन में रहना चाहिए। सुनने में तो यह भी आ रहा है कि राज्यसभा में वोटिंग के दौरान नदारद सांसदों को अमित शाह ने सबके सामने चेतावनी दी और कहा कि उन्हें अलग से बुलाया जाएगा। यह लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। आप जनता के द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि हैं। इससे गलत संदेश गया है। बता दें कि राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का मामला फिर अटक गया है।

कई मंत्रियों की गैरहाजिरी के कारण विपक्ष राज्यसभा में संशोधन प्रस्ताव पारित करवाने में कामयाब हो गया। विपक्ष ने नियम तीन को विधेयक से हटवाने के बाद ही अपनी सहमति प्रदान की। सदन ने विपक्ष के संशोधनों के साथ विधेयक को मंजूरी दे दी। विधेयक अब वापस लोकसभा को भेजा जाएगा।

डोकलाम विवाद : भारत को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन पर भड़का चीनी मीडिया

नई दिल्ली

डोकलाम क्षेत्र में त्रिपक्षीय सीमा विवाद में ज्यादातर देश भारत के पक्ष में खड़े नजर आ रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुलेतौर पर भारत का समर्थन किया है। इसके बावजूद चीन पीछे हटने को तैयार नहीं है। भारत ने तो पहले ही अपने इरादे साफ कर दिए थे। ऐसे में इसी बीच चीनी मीडिया ने पश्चिमी मीडिया पर भारत का समर्थन करने का आरोप लगाया है।

भारत और चीन के बीच डोकलाम में विवाद 40 दिन से भी लंबा खिंच गया है। इस बीच चीन ने भारत को खदेड़ने के लिए कई हथकंडे अपनाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ है। चीनी मीडिया तो शुरुआत से ही भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रही है। अब चीन की सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि पश्चिमी मीडिया में भारत के पक्ष में रिपोर्टिंग की जा रही है क्योंकि यहां लोकतंत्र है। चीनी मीडिया के इस बयान में भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रहे समर्थन को लेकर खीज साफ नजर आ रही है। एक अखबार के लेख में कहा गया है कि पश्चिमी मीडिया में भारत के प्रति सहानुभूति दिखाई जा रही है। विश्व पटल पर भारत को एक इमानदार और अच्छे देश के तौर पर पेश किया जा रहा है, जिसे चीन ने तबाह किया है। हालांकि इसमें बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। सच यह है कि भारत अवैध रूप से चीनी क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। चीन और भूटान के बीच के क्षेत्रिय विवाद में दखलंदाजी कर अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहा है। लेख के मुताबिक, पश्चिमी मीडिया का मानना है कि भारत शांति प्रिय देश है। भारत कभी किसी पड़ोसी पर हमले के पक्ष में नहीं रहा, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय सेना ने चीन की सीमा में घुसपैठ की और विवाद पैदा कर दिया है। भारत, भूटान की वजह से चीन से उलझ रहा है, लेकिन नई दिल्ली को अपने हिमालयी पड़ोसी की फिक्र नहीं है।

नीतीश राजनीति के पलटूराम, वोट के लिए मेरे पास गिड़गिड़ाने आये थे - लालू

पटना

बिहार में महागठबंधन की सरकार टूटने के बाद पहली बार मीडिया से मुखातिब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद पर लग रहे आरोपों का जवाब दिया, साथ ही महागठबंधन टूटने का ठीकरा राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के सिर पर फोड़ा। इसके बाद मंगलवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने पलटवार में नीतीश कुमार की जमकर खबर ली।

लालू ने नीतीश कुमार को राजनीति का पलटूमार बताते हुए कहा कि ये सत्ता के लिए कुछ भी करेंगे। जिस शरद यादव ने नीतीश कुमार को आगे बढ़ाया, आज उनकी भी कद्र नहीं की जा रही है। साथ ही अपने स्वार्थ के लिए मेरे बेटों को बलि देने की कोशिश की।

संवाददाता सम्मेलन में लालू प्रसाद पूरे रौ में दिखे। लालू ने कहा कि वे नीतीश को बचपन से जानते हैं। उनका कोई जनाधार नहीं है। वे सत्ता के लालची नेता हैं।

लालू ने कहा कि हम 1970-71 में वे छात्र संघ का सचिव बने। उस वक्त नीतीश कुमार का कहीं अता-पता नहीं था। हमें 1977 में जयप्रकाश नारायण ने छपरा से टिकट दिया था। उस समय तीन लाख वोट से सभी जाति के लोगों ने मुझे जिताया। उस समय नीतीश छात्र नेता थे और मैं छात्र नेता बना रहा था।

राजद अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि हमको लालू ने जहर कहा था। सही तो बोले थे कि नीतीश कुमार जहर है। नीतीश कुमार देश की राजनीति के इतिहास का पलटूराम है। उसके चरित्र से आज हर कोई वाकिफ हो गया है। मैं नहीं चाहता था कि महागठबंधन में इसको आगे किया जाये, लेकिन मुलायम सिंह के कहने के बाद नीतीश को आगे किया गया। मैंने मुलायम सिंह से ही इस बात की घोषणा करने को कहा था। उस समय मैंने कहा कि था कि देश से दंगाई और फासिस्ट ताकतों को दूर रखने के लिए यदि जहर भी पीना पड़ेगा तो पी लेंगे।

उसके बाद जब नीतीश पटना में हमारे आवास आये तो तेजप्रताप और तेजस्वी ने उनका आदर किया। इस समय नीतीश ने कहा कि हम लोग बूढ़े हो चुके हैं। बस एक टर्म दे दीजिए। इन लड़कों को आगे बढ़ायेंगे, लेकिन जब तेजस्वी और तेजप्रताप आगे बढ़ने लगे तो सत्ता के लालची नीतीश ने मेरे दोनों बेटों की बलि लेने की कोशिश की।

नीतीश को आगे बढ़ाने में जितना मेरा हाथ है, वह हर कोई जानता है, लेकिन सामंतों के बीच में रहने वाले नीतीश ने तमाम पिछड़ों और अति पिछड़ों की उम्मीदों का गला घोंट दिया। अब तो जदयू समाप्त हो चुका है। नीतीश कुमार अब भगवा पहनकर जय श्रीराम-जय श्रीराम करते रहें। लालू ने कहा कि नीतीश कहते हैं कि मैंने लालू यादव को वोट ट्रांसफर कराया। सब जानते हैं नीतीश कुमार की हैसियत क्या थी। शुरूआती दौर में नीतीश जब दो बार चुनाव हार गये तो मेरे पास गिड़गिड़ाते हुए आए थे।

पृष्ठ 1 का शेष

असम के बाढ़ग्रस्त...

गुजरात में सोमवार तक बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 186 के पार पहुंच गई थी, वहीं असम में भी बाढ़ से जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। असम में बाढ़ से हालात बेहद बिगड़ गए हैं। अब तक 61 लोगों की मौत हो गई है और 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की रिपोर्ट के अनुसार मोरीगांव जिले में एक व्यक्ति की मौत हो जाने से इस साल बाढ़ से होने वाली घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या 60 तक पहुंच गई है। बाढ़ से प्रभावित होने के बाद सिर्फ गुवाहाटी में ही 8 लोगों की मौत हुई है। एएसडीएमए के मुताबिक, फिलहाल राज्य के नलबाड़ी, बारपेटा, बोंगईगांव, चिरांग, धेमाजी, लखीमपुर, बिस्वनाथ, दरांग, कोकराझार, धुबरी, दक्षिण सल्मारा, ग्वालपाड़ा, मोरीगांव, नगांव, कार्बी आंगलांग, गोलाघाट, जोरहाट, माजुली, शिवसागर, करीमगंज और कछार जिलों में 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।

सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ...

उधर लखनऊ में आज बीटीसी प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने भी विधान भवन के सामने भाजपा कार्यालय के घेराव किया। उनको पुलिस ने लाठियां भांजकर वहां से भगाया।

गौरतलब है कि प्रदेश में शिक्षामित्र बीते पांच दिन से जगह जगह पर काफी आंदोलन कर रहे हैं। उधर लखनऊ में बीटीसी प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने भी विधान भवन के सामने भाजपा कार्यालय के घेराव किया। उनको पुलिस ने लाठियां भांजकर वहां से भगाया।

25 जुलाई को देश की सर्वोच्च अदालत ने प्रदेश में शिक्षा मित्रों के समायोजन को लेकर अहम फैसला सुनाया था, लेकिन प्रदेश के करीब 1.72 लाख शिक्षामित्रों को सुप्रीम कोर्ट का फैसला रास नहीं आया। जिसे लेकर अब तक कई बार शिक्षामित्रों द्वारा प्रदर्शन आदि किया जा चुका है।

12 सिंतबर 2015 को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तरप्रदेश के करीब 1.72 लाख शिक्षामित्रों का सहायक शिक्षक के तौर पर समायोजन को निरस्त कर दिया था। इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी।

राज्यसभा में बढ़ी सरकार की...

आखिर में नियम तीन को हटाकर जब विधेयक पर वोटिंग कराई गई, तो इसके समर्थन में 124 वोट पड़े। किसी ने भी इसके खिलाफ वोट नहीं दिया।

सरकार-विपक्ष में जुबानी जंग

विपक्ष द्वारा संशोधनों पर जोर देने के बाद सरकार का कहना था कि विपक्ष पिछड़ा वर्ग के लिए बिल पारित नहीं कराना चाहता। विपक्ष ने खामियों को लेकर सारा दोष सरकार पर मढ़ा। संसदीय कार्य राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि विपक्ष चाहता है कि बिल को अदालत में चुनौती दी जा सके।

गुलाम नबी आजाद ने जवाब में कहा कि सरकार पिछड़ा वर्ग आयोग को कमजोर करना चाहती है। वित्तमंत्री अरुण जेटली का तर्क था कि यह बिल अदालत में नहीं ठहर पाएगा। जदयू के शरद यादव ने कहा कि मौजूदा स्वरूप में यह बिल बेअसर साबित होगा। क्रीमी लेयर को लेकर भी सरकार व विपक्ष में तीखी नोकझोंक हुई।

प्रसंगत: सच्चा साधु

किसी गांव के पास एक कुटिया में हरिदास नामक साधु रहते थे। उनके पास कुछ जमीन थी, जिस पर वह खेती करते थे। उससे भी जब कभी खाने लायक नहीं मिल पाता तो वह गांव में मजदूरी भी कर लेते थे। उनके यहां साधु-संतों का आना-जाना लगा रहता था। एक बार जबर्दस्त बारिश हो रही थी। तभी बाहर से आवाज आई, 'साधु महाराज! क्या सो गए?' हरिदास ने द्वार पर आकर देखा कि कुछ साधु बाहर खड़े हैं। हरिदास उन्हें आदरपूर्वक अंदर ले गए, फिर बोले, 'प्रिय अतिथियों, आज मेरे पास भोजन की व्यवस्था नहीं है। खेत में जो कुछ पैदावार हुई वह खत्म हो गई। बरसात की वजह से कहीं मजदूरी भी नहीं मिली।' अतिथि साधुओं ने आश्चर्य से पूछा, 'महाराज, क्या गांव से कुछ खाने-पीने को नहीं मिलता?' हरिदास ने हंसते हुए कहा, 'मिलता तो बहुत है, लेकिन मैं नहीं लेता।' उन साधुओं ने इसका कारण पूछा तो हरिदास ने कहा, 'किसान काफी मेहनत करके फसल उगाते हैं, मैं उनकी मेहनत की कमाई मुफ्त में कैसे ले सकता हूं?' इस पर अतिथि साधु बोले, 'पर आप तो साधु हैं फिर आप दान-दान दक्षिणा क्यों नहीं लेते। आपको मेहनत करने की क्या जरूरत है?' हरिदास ने कहा, 'मुझे तो लगता है कि एक साधु को अपनी मेहनत से जीवनयापन करना चाहिए। हम दूसरों की मेहनत की कमाई भला क्यों खाएं। हमें अपने आचरण से दूसरों के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। मेहनत से भागकर ईश्वरोपासना का कोई अर्थ नहीं है। श्रम में ही साधुता है।' अतिथि साधु निरुत्तर हो गए।

यह दैनिक प्रकाशक, मुद्रक एवं मालिक एड. अरुण कोटेचा द्वारा देश पब्लिकेशन, 85, हनुमाननगर, नागपुर यहां छपवाकर 1, पंचशील सिनेमा बिल्डिंग, वर्धा रोड, नागपुर - 440012 यहां से प्रकाशित किया।
संपादक - एड. अरुण कोटेचा, फोन नं. 2541300/2562837 फॅक्स : (0712) 2541300 email : vikibaat@gmail.com/vikibaat@rediffmail.com R.N.I.No.MAH HIN/2000/6262

सूचना - 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित सभी लेखों पर संपादक की अनुमति हो यह अनिवार्य नहीं है। 'विदर्भ की बात' में प्रकाशित किसी भी लेख पर यदि आपत्ति हो तो उसके विरुध्द केवल नागपुर न्यायालय में ही कार्रवाई होगी।